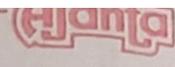


वैदिक सभ्यता

ऋग्वेद



- * आर्य शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग - मैथिल्यूलर - 1853 ई०.
 - * ऋग्वेदिक कालीन देवता - इंद्र, वरुण, मित्र, एवं वायव्य
 - * ऋग्वेद - ऐश्वर्या गङ्गा (सुक्ति) → वेदाङ्गकेन्द्र अकिलेख 14 मी
 - * ऋग्वेद - मैथिल्यूलर → वैदिकीय | तिलक - कार्कणिक देवता
 - * ऋग्वेद में 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं लगभग 11000 मंत्र हैं
 - * इनके विभिन्न देवताओं की स्तुति में गाने हुए मंत्रों का संग्रह है।
 - * ऋग्वेद का प्रथम सातों मंडल सबसे प्राचीन मंडल है
 - * इसी को वंश मंडल के नाम से जाना जाता है। अठारहों स्तुतियों के अंतर्गत
 - * ऋग्वेद के नीचे मंडल में गायत्री मंत्र का वर्णन (सिद्धांतित)
 - * गायत्री मंत्र सूर्य का देवता को समर्पित मंत्र है।
 - * ऋग्वेद की व्याख्या < साकल्य - 1017 सूक्त > बालकिलेख - 11 सूक्त
 - * वाङ्मय में 56 सूक्त हैं
 - * ऋग्वेद का पहला मंत्र एवं दसवाँ मंडल बाद के जोड़ गए हैं
 - * ऋग्वेद के सातों मंडल में दक्षिण पूर्व का वर्णन है।
 - * राजा युवराज एवं दक्षिण के राजा → कुक्षी (राजा) नदी के तट पर
 - * सातों मंडल में राजा वशिष्ठ की उक्त की गई है।
 - * ऋग्वेद का नौवाँ मंडल सौम नामक वशिष्ठ को समर्पित है।
 - * ऋग्वेद के दसवें मंडल में कुक्षी नदी के राजा वशिष्ठ का वर्णन है।
 - * दसवें मंडल के नदी सूक्त में 21 नदियों का वर्णन है।
 - * ऋग्वेद के सर्वाधिक बार विन्दु - नदी वर्णन है।
 - * दक्षिणी नदी (अथवा नदी) को नदी नमः, भारताय नमः है।
- | | | |
|-----------------|------------------|---------------|
| विन्दु - सिन्धु | व्याघ्र - सिन्धु | गंडक - सिन्धु |
| सेल - सिन्धु | साकल्य - सिन्धु | |
| विन्दु - सिन्धु | दक्षिण - सिन्धु | |
| राजा - कुक्षी | दक्षिण - सिन्धु | |

- 1. ईंद्र को 250 कर्म समर्पित हैं - महत्त्वपूर्ण देवता | अर्कि - 200 कर्म
- 2. अर्कि एवं उपा - महत्त्वपूर्ण देवता
- 3. विद्वान् मण्डिका - कपाला, ज्योषा, विद्वान्, लोपा
- 4. सत्यके प्राचीन देवता - विद्वान्
- 5. लोकसंस्थित देवता - शक (देवता), सतिरि (पत्नी) लुप, विद्वान्